भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.03.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3057 का उत्तर

वंदे भारत स्लीपर रेलगाड़ी का किराया संरचना और वहनीयता

3057. श्री अभिषेक बनर्जी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हावड़ा-गुवाहाटी, हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी और हावड़ा-मालदा टाउन मार्गों पर लागू होने वाले किराये सहित वंदे भारत स्लीपर रेलगाड़ी के लिए अधिसूचित किराया संरचना का मार्ग-वार और श्रेणी-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) समान मार्गों और दूरी के स्लैब पर चलने वाली मौजूदा एक्सप्रेस या मेल रेलगाड़ी और वंदे भारत स्लीपर सेवाओं के बीच श्रेणी-वार तुलनात्मक किराया अंतर का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या विशेषकर पूर्वी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में मध्यम आय और निम्न मध्यम आय वाले यात्रियों के लिए अधिसूचित किरायों की वहनीयता का मूल्यांकन करने के लिए कोई आकलन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या प्रीमियम रेलगाड़ी के लिए किराया निर्धारित करते समय आय के स्तर, यात्रा की मांग और वैकल्पिक रेल सेवाओं की उपलब्धता पर विचार किया जाता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) वंदे भारत स्लीपर रेलगाड़ी में बिना किसी 'रद्दकरण पर आरक्षण' (आरएसी) प्रावधान के केवल कन्फर्म टिकट यात्रा को सीमित करने के तर्क का ब्यौरा क्या है और यात्री सुलभता पर इसका संभावित प्रभाव क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): भारतीय रेल यात्रा करने वाली जनता के विभिन्न वर्गों को सेवित करता है और तदनुसार, उपनगरीय/अनुपनगरीय साधारण रेल सेवाएं, मेल/एक्सप्रेस, अमृत भारत, वंदे भारत, वंदे

भारत स्लीपर, नमो भारत रैपिड रेल, तेजस, हमसफर, राजधानी, शताब्दी, दूरंतो और गरीब रथ सेवाएं आदि जैसी विभिन्न प्रकार की रेल सेवाएँ परिचालित करता है।

रेल मंत्रालय विभिन्न प्रकार की यात्री सेवाओं की किराया संरचना तय करते समय सेवा की लागत, सेवा का मूल्य, प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार, वहन क्षमता, अन्य प्रतिस्पर्धी माध्यमों से प्रतियोगिता और सामाजिक-आर्थिक महत्वों आदि जैसे पहलुओं पर विचार करती है।

पहली वंदे भारत स्लीपर सेवा अर्थात् 27575/27576 हावड़ा-कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस को 22.01.2026 से शुरू किया गया है। वंदे भारत स्लीपर सेवाओं सहित, नई गाड़ी सेवाओं की शुरुआत एक सतत प्रक्रिया है, जो विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है जिनमें शामिल हैं:

- **रेलखंड की क्षमता**
- **पथ की उपलब्धता**
- **अपेक्षित चल स्टॉक की उपलब्धता**
- **चल स्टॉक के लिए सुमेलित अवसंरचना की उपलब्धता**
- **रेलपथ और अन्य परिसंपत्तियों की अनुरक्षण आवश्यकता**
- **रेलखंड की अधिभोगिता और यातायात आवश्यकता**

यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, वंदे भारत स्लीपर को आधुनिक रेल डिब्बों से सुसज्जित किया गया है जिनमें उन्नत संरक्षा विशेषताएं और यात्री सुविधाएं जैसे कि झटका मुक्त अर्ध-स्थायी कपलर्स, कवच, उच्चतर त्वरण, बेहतर अग्नि सुरक्षा मानक, सील किए गए गैंगवे, सभी सवारीडिब्बों में सीसीटीवी, आपातकालीन टॉक-बैक यूनिट, केंद्रीकृत डिब्बा निगरानी प्रणाली आदि शामिल हैं।

वंदे भारत स्लीपर गाड़ी की किराया संरचना प्रति यात्री-प्रति किलोमीटर दर पर आधारित है, अर्थात् तीसरी वातानुकूलित श्रेणी (3एसी) के लिए ₹2.40, जीएसटी को छोड़कर है। 1000 किमी की दूरी के लिए अनुमानित किराया, जीएसटी को छोड़कर, 3एसी के लिए 2400 रु. है।

वंदे भारत स्लीपर गाड़ी एक अलग श्रेणी की यात्री सेवा है जिसमें सभी किराया शामिल हैं और इस रेलगाड़ी में आरएसी टिकटों की कोई सुविधा नहीं है। प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को पुष्टिकरण तब मिलता है जब पुष्टिशुदा स्थान प्राप्त करने वाले यात्री टिकट रद्द कर देते हैं। अतः यात्रियों के लिए सेवाएं सुलभ हैं।

रेलवे सदैव समाज के सभी वर्गों को किफायती सेवाएँ प्रदान करने को प्रयास करती हैं। तदनुसार, यह समाज के विभिन्न वर्गों की यात्रा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न श्रेणियों की रेल सेवाएँ परिचालित करती है, जिसमें समाज के वंचित वर्ग से आने वाले लोगों को लाभ प्रदान

करने के लिए कम किराए वाली रेलगाड़ियों के साथ ही बेहतर सुविधाओं वाली रेलगाड़ियां भी शामिल हैं।

भारत की रेल की किराया दरें दुनिया के अन्य देशों की तुलना में बेहद कम हैं। वंदे भारत स्लीपर का किराया प्रति व्यक्ति कि.मी. ₹2.40 से ₹3.80 के बीच है, जो चीन, जापान और फ्रांस जैसे देशों में इसी तरह की सेवाओं के किराए से बहुत कम है, जहाँ यह प्रति व्यक्ति कि.मी. ₹7.00 से ₹20.00 तक होता है।

भारतीय रेल द्वारा वर्ष 2024-25 में यात्री टिकटों पर 60,239 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी गई है। यह राशि रेलवे में यात्रा करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए औसतन 43% की रियायत के बराबर है। दूसरे शब्दों में, यदि सेवा प्रदान करने की लागत 100 रुपए है, तो टिकट की कीमत केवल 57 रुपए होगी। यह सब्सिडी सभी यात्रियों के लिए जारी है। इसके अलावा, दिव्यांगजनों की 4 कोटियों, रोगियों की 11 कोटियों और विद्यार्थियों की 8 कोटियों जैसी कई कोटियों के लिए इस सब्सिडी से अतिरिक्त रियायतें जारी रखी गई हैं।

******